RPF रेल रक्षक बैंच

:→ History ←: Class-27

चालुक्य वंश

1. वातापी (बादामी) के चालुक्य मुख्यशाखा
Chalukyas of Vatapi (Badami) → Main branch
कर्नाटक ← → पश्चिमी शाखा West branch

2. वेंगी के चालुक्य → पूर्वी चालुक्य Chalukyas of Vengi → Easten Chalukyas

3. कल्याणी के चालुक्य → पश्चिमी शाखा Chalukyas of kalyani
→ Western Branch → केरल

↓ आंध्र प्रदेश

① पुलकेशिन I (543 - 566 AD)
⇓
② कीर्तिवर्मन I (566 AD - 597 AD)
⇓
③ मंगलेश (597 AD - 609 AD)
⇓
④ पुलकेशिन II (610 AD - 642 AD)
⇓
⑤ विक्रमादित्य (655 AD - 680 AD)
⇓
⑥ विनयादित्य (680 - 696 AD)
⇓
⑦ विजयादित्य (696 - 733 AD)

(8) विक्रमादित्य (733-746 AD)

⇓

अंतिम शासक

⇓

कीर्तिवर्मन II (746-757 AD)

↳ दंतिदुर्ग (इनके सामंत / मंत्री) ने इसे परास्त कर दिया तथा एक नये वंश राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की।

1. बादामी (तालपी) के चालुक्य बीजापुर (कर्नाटक) Bijapur (Karnataka)

↳ के बारे में जानकारी – महाकूट अभिलेख से मिलती है

Information about – Comes from Mahakoot record

⇒ मुख्य शाखा Main branch

⇒ शासन काल – [543-757 ई०] Reign [543-757 AD]

⇒ संस्थापक पुलकेशिन प्रथम (543-566 AD)

Founder – Pulakeshin I (543-566 AD)

स्वतंत्रता ⇒ पुलकेशिन I

⇒ पुलकेशिन I के पूर्वज जयसिंह राणा राग कदम्ब शासकों के अधीन थे

Pulakeshin I's ancestor Jaisingh Rana was Subordinate to the Raga Kadamba rulers

⇒ पुलकेशिन I ने स्वयं को स्वतंत्र कर चालुक्य वंश की स्थापना की

Pulakesin I made himself independent and founded the Chalukya dynasty.

⇒ पुलकेशिन I की उपाधियां | Titles of Pulakeshin I

- श्री पृथ्वी वल्लभ Mr. Prithvi Vallabh
- रण विक्रम Ran Vikram

पुत्र

(2) (1) कीर्तिवर्मन I Kirtivarman I
[566-597 AD]

(2) मंगलेश Manglesh
[597-610 AD]

कदम्ब शासक - कर्नाटक

राज० वनवासी / वैजयंती

संस्थापक - मयूर शर्मन

18 अश्वमेध यज्ञ कराए → सबसे ज्यादा अश्वमेध यज्ञ करवाये

⇒ कीर्तिवर्मन I ने अपने क्षेत्र के विस्तार करते हुए मौर्यो को हराया

Kirtivarman I defeated the Marvos expanding his territory.

कदम्ब वंश

↳ संस्थापक ⇒ मयूर शर्मन

⇓

कीर्तिवर्मन I

⇓

वनवासी का कदम्ब वंश कीर्तिवर्मन I ने अपने राज्य मिला लिया। → इसको कीर्तिवर्मन I ने हरा दिया।

⇓

इस समय कदम्ब वंश का शासक अजय वर्मा था।

कीर्तिवर्मन प्रथम के द्वारा कोंकण विजय के फलस्वरूप गोवा का प्रमुख बंदरगाह चालुक्य साम्राज्य के अधीन आ गया।

(गोवा उन दिनों रेवती द्वीप के नाम से प्रसिद्ध था।)

⇒ कीर्तिवर्मन I को वातापी का निर्माणकर्ता कहा जाता है।

मंगलेश (597 - 609 AD)

- → कलचुरि नरेश बुद्धराज को पराजित किया।
- → वैष्णव धर्म का अनुयायी (follower)
- → "परमभागवत्" की उपाधि धारण की
- → बादामी के गुहा मंदिर (विष्णु भगवान को समर्पित) का निर्माण कार्य पूरा करवाया जो कीर्तिवर्मन प्रथम द्वारा निर्मित था।

⇒
- उपाधि – सत्याश्रय, रण पराक्रम
  Title – Satyashraya, Battle Might
- 1. अश्वमेध यज्ञ, वाजपेयी यज्ञ
  1. Ashwamedha Yagya, Vajpayee yagya
- → कीर्तिवर्मन I, → मंगलेश

— राजधानी बादामी
Capital → Badami

राजभाषा → कन्नड़ संस्कृत
Official Language Kannada Sanskrit

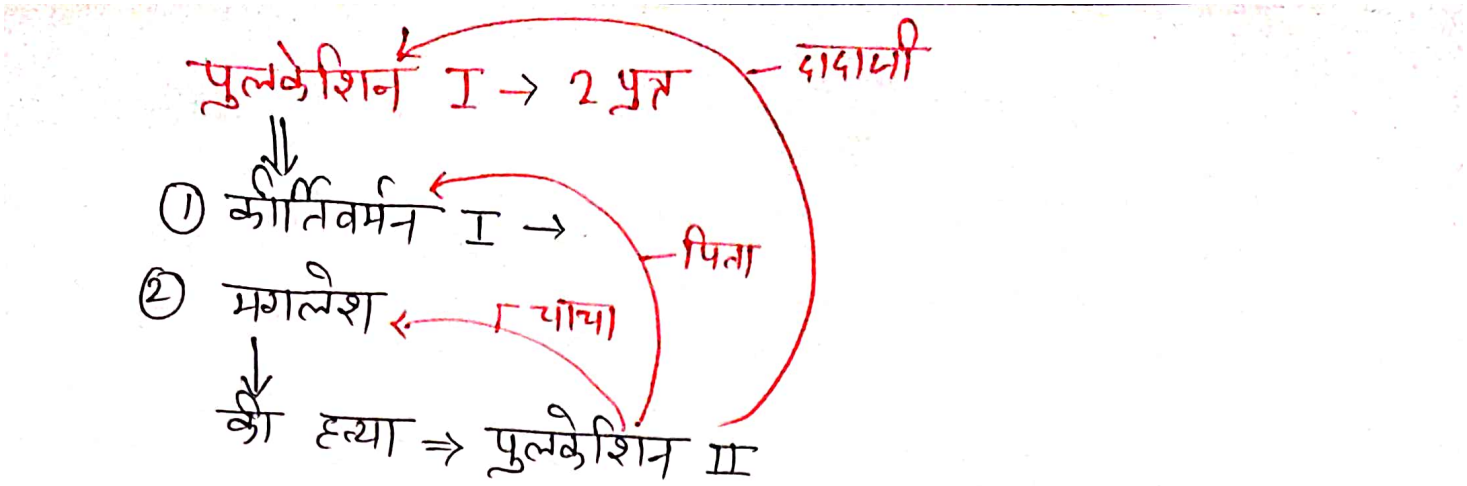
⇒ पुलकेशिन II (610 – 642 AD)
Pulakeshin II (610 – 642 AD)

पुलकेशिन I पौत्र ⇓ कीर्तिवर्मन I का पुत्र

→ (चाचा) मंगलेश की हत्या कर स्वयं गद्दी पर बैठा
(Uncle) Mangleph himself sat on the throne after killing

⇒ उपाधि परम भट्टारक, महाराजाधिराज
Title – Param Bhattarak, Maharajadhiraj

⇒ राजकवि – रविकिर्ती ने Rajkavi Ravi Kirti



ऐहोल (एहोड़) अभिलेख जारी कराया [634 ई०]

Aihole (Ehod) record issued → (634. AD)

रविकीर्ति

→ (संस्कृत भाषा) Sanskrit language

→ पुलकेशिन के विजय अभियान Pulakeshin's Conquest

→ हर्षवर्धन की पराजय के बारे में जानकारी मिलती है

Information is received about the defeat of Harshavardhana.

पुलकेशिन II
↳ हर्षवर्धन को हराया

⇒ पुलकेशिन II ने दो राजधानी बनायी Pulakeshin II built two Capitals

1) वातापी Vatapi

2) वेंगी Vengi
↳ अपने भाई विष्णुवर्धन को सौंप दी handed over to his brother Vishnuvardhan